

- गगरी 4. घुटना 5. समय का ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रयोग में लाया जाने वाला तांबे का छोटा कलश या लोटा जिसके पेंदे में एक छेद होता है।
- घटिका शतक** पुं. (तत्.) 1. एक घड़ी में सौ श्लोक बनाने वाला 2. एक घड़ी में एक साथ सौ काम करने वाला।
- घटिघम** पुं. (तत्.) कुंभकार, कुम्हार।
- घटित** पुं. (तत्.) 1. बना हुआ, रचित, रचा हुआ, निर्मित 2. जो हुआ हो।
- घटिया** पुं. (देश.) जो अच्छे मोल का न हो, कम मोल का, खराब, सस्ता 2. अधम, तुच्छ, कम गुणवत्ता का।
- घटिहा** पुं. (तद्.) 1. घात या धोखेबाजी करने वाला 2. चालाक, मक्कार 3. व्यभिचारी 4. दुष्ट, नीच।
- घटी स्त्री.** (तत्.) 24 मिनट का समय, घड़ी, मुहूर्त 2. समय सूचक यंत्र 3. छोटा घड़ा 4. घरिया 5. प्राचीन काल में समय जानने के काम में आने वाला एक विशेष जलपात्र।
- घटीयंत्र** पुं. (तत्.) 1. समय सूचक यंत्र, घड़ी 2. संग्रहणी रोग का एक भेद जो असाध्य माना जाता है 3. समय जानने का जलपात्र 4. रहट में बंधी गगरी जिससे कुँए में से पानी निकाला जाता है।
- घटूका** पुं. (तत्.) भीमसेन का घटोत्कच नामक पुत्र जो हिडिंबा राक्षसी से पैदा हुआ था।
- घटोत्कच** पुं. (तत्.) हिडिंबा राक्षसी से उत्पन्न भीमसेन का पुत्र जिसे महाभारत युद्ध में कर्ण ने मारा था।
- घटोद्भव** पुं. (तत्.) अगस्त्य मुनि, कुंभज।
- घट्ट** पुं. (तत्.) घड़ा, कुंभ 2. शरीर 3. घाट, चुंगी या महसूल लेने का स्थान 4. क्षुब्ध करना, क्षोभण।
- घट्टन** पुं. (तत्.) 1. हिलाना-डुलाना, चलाना 2. संघटन, संयोजन 3. घोटना।

- घट्टा** पुं. (देश.) 1. घाटा, घटी, कमी 2. दरार, छेद।
- घट्टाना** पुं. (तत्.) 1. हिलाना, डुलाना, 2. रगड़ना, घोटना, मलना 3. जीविका, पेशा।
- घट्टा** पुं. (तद्.) शरीर पर वह उभरा हुआ चिह्न जो किसी वस्तु की रगड़ लगने से पड़ जाता है, गाँठ, छाला।
- घड़घड़** स्त्री. (अनु.) बादल गरजने, गाड़ी चलने आदि का शब्द।
- घड़घड़ाना** अ.क्रि. (अनु.) गड़गड़ या घड़घड़ शब्द करना, बादल गरजने या गाड़ी चलने का शब्द होना।
- घड़घड़ाहट** स्त्री. (अनु.) किसी वस्तु को चलाने या खींचने से उत्पन्न घड़घड़ शब्द होने का भाव 2. बादल की आवाज 3. गाड़ी चलने का शब्द।
- घड़त** स्त्री. (देश.) दे. गढ़त।
- घड़नई** स्त्री. (देश.) दे. घड़नैल।
- घड़ना** पुं. (देश.) दे. गढ़ना।
- घड़नैल** पुं. (देश.) बांस में घड़े बांधकर बनाया हुआ ढांचा जिससे छोटी-छोटी नदियाँ पार करते हैं।
- घड़ा** पुं. (तद्.) मिट्टी का बना हुआ गगरा, जलपात्र, बड़ी गगरी, कलसा, कुंभ मुहा. घड़ों पानी पड़ जाना- अत्यंत लज्जित होना; चिकना घड़ा- निर्लज्ज व्यक्ति।
- घड़ाई** स्त्री. (देश.) दे. गढ़ाई।
- घड़ाना** स.क्रि. (देश.) दे. गढ़ाना।
- घड़िया** स्त्री. (तद्.) मिट्टी का बर्तन जिसमें रखकर सोनार लोग सोना-चांदी गलाते हैं 2. मिट्टी का छोटा प्याला 3. शहद का छत्ता 4. गर्भाशय 5. मिट्टी की नांद जिसमें लोहार लोहा गलाते हैं 6. रहट में लगी हुई छोटी-छोटी घटिया जिसमें पानी भरकर आता है।
- घड़ियाल** पुं. (तद्.) 1. छिपकली की जाति का परंतु काफी बड़ा मांसाहारी, हिंसक जलजंतु, मकर, ग्राह, मगरमछ 2. बड़ा धंटा।